Class 7 – Hindi

Quiz Abhyaas (31 July 2021 – 6 August 2021)

Student Name: _____; School Code: _____; Class: _____

प्र 1. जैसे दायें का उल्टा बायें, वैसे ही अँधेरे का उल्टा _____।

1. रात 2. उजाला 3. नया 4. उधर

प्र 2. अध्यापक - अध्यापिका, चूहा - चुहिया, नेता - _____

1. नेतानी 2. नेतिन 3. नेती 4. नेत्री

प्र 3. "हमारे घर के पास एक बड़ी सी गौशाला है। वहाँ पर बहुत सी गायें हैं।" गौशाला में और क्या होगा?

1. बछड़े 2. मेमने 3. भैंस 4. घोड़े

प्र 4. राम ने श्याम से कहा, "तुम चलो, मैं _____।"

1. आऊँगा 2. आता हूँ 3. आता 4. पहुँचूंगा

कागज़ की कंदील

यह है कंदील जिसे दिवाली के दिन आकाशदीप की तरह सजाएँगे। इसके लिए चाहिए:

सामग्री –

- मनपसंद रंग का पोस्टकार्ड जितने मोटे कागज़ का 8.5 इंच लंबा और 11 इंच चौड़ा कागज़।
- 6 इंच लंबा और 1 इंच चौड़ा कागज़ लटकाने के लिए।
- कैंची, पेन्सिल, गोंद, नापपट्टी (स्केल)।
- मन हो तो रंगीन मार्कर और ग्लिटर गोंद सजावट के लिए।

	• कागज़ के लम्बाई में एक तरफ से दो इंच जगह छोड़कर हल्की सी लाईन खींच लें। यह लाइन एकदम सीधी होनी चाहिए।
	• कागज को लंबाई में दोहरा मोड़ लें।
	• मोड़ की ओर से लाइन तक बराबर दूरी पर चित्र के अनुसार काटें।
	• कागज़ को खोलें और किनारों को गोंद से जोड़ दें।
	• 6 इंच लंबे और एक इंच चौड़े कागज़ को पकड़ने लिए ऊपर लगाएँ।
	• चाहें तो ग्लिटर और सुनहरे रिबन से सजावट कर दें।
	• किसी बड़े की सहायता से बैटरी से जलने वाला बल्ब अंदर लगाया जा सकता है। • चाहें तो अनेक रंगों की कंदीले बना कर एक धागे पर झालर की तरह लगा दें।

प्र 5. कागज़ की कंदील बनाने के लिए कितना मोटा कागज़ चाहिए?

1. पेटी के गत्ते जितना 2. मैगज़ीन के पन्ने जितना 3. अख़बार जितना 4. पोस्टकार्ड जितना

प्र 6. सीधी लाइन कैसे खींची जाती है?

1. नापपट्टी (स्केल) की मदद से 2. गिलास की मदद से 3. चम्मच की मदद से 4. कटोरी की मदद से

प्र 7. चिपकाने के लिए गोंद इस्तेमाल करने का क्या फायदा हो सकता है?

1. गोंद आसानी से मिल जाता है। 2. गोंद सस्ता मिलता है। 3. गोंद मज़बूती देता है। 4. गोंद खुशबू देता है।

प्र 8. मैं तुम्हें _____ कुछ भेंट देना चाहता हूँ।

1. अमूल्य 2. सद्भाव 3. स्नेहपूर्वक 4. अनमोल

प्र 9. सही विकल्प की पहचान कीजिए।

1. अपूर्ण = अ (उपसर्ग) + पूर्ण (मूलशब्द)
2. राष्ट्रभक्त = राष्ट्र (प्रत्यय) + भक्त (मूलशब्द)
3. सत्यवादी = सत्य (मूलशब्द) + वादी (उपसर्ग)
4. खौफनाक = खौफ (मूलशब्द) + नाक (उपसर्ग)

प्र 10. मैं जब आज घर पहुँचा तो मेरा भाई _____।

1. खेलता है
2. खेलेगा
3. खेल रहा है
4. खेल रहा था

मुल्ला नसरुद्दीन अपनी चतुराई और हाजिर जवाबी के लिए मशहूर थे। एक दिन उन्हें शहरवासियों ने भाषण देने के लिए आमंत्रित किया। मुल्ला नसरुद्दीन जब मंच पर आए, तो भाषण देने से पहले उन्होंने वहाँ उपस्थित सभी लोगों से पूछा, "क्या आप लोगों को पता है कि मैं किस विषय पर बोलने वाला हूँ?"

भाषण सुनने आए लोगों ने उत्तर दिया कि हमें नहीं मालूम कि आप कौन से विषय पर बोलने वाले हैं। यह सुनते ही मुल्ला नसरुद्दीन चिढ़ गए और कहने लगे, "अगर आप लोगों को नहीं पता कि मैं किस विषय पर भाषण देने वाला हूँ, तो मेरे भाषण देने का कोई मतलब नहीं है।" इतना बोलकर वह मंच से नीचे उतर कर चले गए। वहाँ मौजूद लोग काफी शर्मिंदा हुए और उन्होंने एक हफ्ते बाद फिर से उन्हें भाषण देने के लिए आमंत्रित किया।

मंच पर आने के बाद मुल्ला ने फिर से पहले वाला सवाल दोहराया। इस बार लोगों ने जवाब दिया, "जी हाँ, हमें पता है कि आप किस विषय पर भाषण देने वाले हैं।" मुल्ला ने चिढ़ते हुए कहा, "अगर आप सभी को पता है कि मैं किस विषय पर भाषण देने वाला हूँ, तो मेरा बोलना बेकार है। मैं अपना और आप सभी का समय बर्बाद नहीं करना चाहता हूँ।" यह बोलकर मंच से उतरकर मुल्ला चले गए।

मुल्ला की बात सुनकर सभी लोगों ने आपस में बातचीत कर यह निर्णय लिया कि इस बार मुल्ला के सवाल पर आधे लोग कहेंगे कि हमें पता है और आधे लोग जवाब देंगे कि हमें नहीं पता। और फिर उन्होनें मुल्ला नसरुद्दीन को तीसरी बार भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया।

इस बार भी मुल्ला ने फिर से अपना वही सवाल दोहराया। वहाँ उपस्थित आधे लोगों ने जवाब दिया कि हमें मालूम है और आधे लोगों ने कहा कि हमें नहीं पता। लोगों की बात सुनकर मुल्ला ने कहा, "जिन लोगों को पता है कि मैं भाषण में क्या बोलने वाला हूँ, वो आधे अनजान लोगों को बता दें।" इतना कहकर मुल्ला मंच से नीचे उतरे और चले गए। भाषण सुनने आए सभी लोग एक दूसरे का मुंह देखते रह गए। उस दिन के बाद कभी किसी ने मुल्ला को भाषण देने के लिए नहीं बुलाया।

प्र 11. मुल्ला नसरुद्दीन ने भाषण देने को समय की बरबादी क्यों कहा?

1. क्योंकि लोगों को पता था कि वे क्या बोलने वाले थे।
2. क्योंकि आधे लोगों को भाषण के बारे में मालूम था और आधे लोगों को नहीं।
3. क्योंकि लोग मुल्ला नसरुद्दीन को बीच में ही रोक देते थे।
4. क्योंकि मुल्ला नसरुद्दीन का भाषण देने का मन नहीं था।

प्र 12. कहानी के आधार पर गलत कथन की पहचान कीजिए।

1. मुल्ला नसरुद्दीन चतुर और हाजिर जवाब थे।
2. मुल्ला नसरुद्दीन भाषण देने से पहले लोगों की राय जानना चाह रहे थे।

3. मुल्ला नसरुद्दीन से भाषण सुनने के लिए लोगों ने तीन बार प्रयास किया।
4. मुल्ला नसरुद्दीन ने लोगों से हर बार एक ही सवाल किया।

प्र 13. भाषण सुनने गए लोग किस बात को लेकर शर्मिंदा हो गए थे?

1. लोगों को मुल्ला नसरुद्दीन का भाषण समझ नहीं आया।
2. लोग नहीं जानते थे कि मुल्ला नसरुद्दीन को वहाँ पर किस लिये बुलाया गया था।
3. लोगों को मालूम नहीं था कि मुल्ला नसरुद्दीन किस विषय पर बोलने वाले थे।
4. केवल आधे लोगों को मालूम था कि मुल्ला नसरुद्दीन किस विषय पर बोलने वाले थे।

प्र 14. इस कहानी से हमें क्या सीख मिलती है?

1. हमें अपना काम करना चाहिए।
2. लोगों को परेशान करना चाहिए।
3. किसी को भी उसकी मर्जी के बिना कोई काम करने को नहीं कहना चाहिए।
4. मंच पर जाने के बाद भाषण देना चाहिए।

प्र 15. "मुल्ला नसरुद्दीन अपनी चतुराई और हाजिर जवाबी के लिए मशहूर थे।" उदारण में 'हाजिर जवाबी' का क्या अर्थ है?

1. बिना सोचे समझे जवाब देना
2. मज़ाकिया अंदाज में जवाब देना
3. सोच समझकर जवाब देना
4. किसी बात का तत्काल जवाब देना

प्र 16. यदि हम किसी से उसकी मर्जी के खिलाफ काम करवाते हैं, तो क्या होगा?

1. वह उस काम को बेहतर ढंग से करेगा।
2. वह उस काम को ठीक तरह से नहीं करेगा।
3. वह मन लगाकर उस काम को पूरा करेगा।
4. वह उस काम को उत्साहपूर्वक सबके साथ मिलकर पूरा करेगा।

प्र 17. अंडमान निकोबार एक अकेला द्वीप नहीं है, _____ 572 द्वीपों का समूह है।

1. यदि
2. बल्कि
3. और
4. अगर

प्र 18. "धरती का स्वर्ग श्रीनगर का 'अस्तित्व' डल झील मर रही है।" वाक्य में 'अस्तित्व' शब्द का क्या अर्थ है?

1. विपत्ति
2. आधार
3. हैसियत
4. मौजूदगी